

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
सेमेस्टर/स्वचिंत/व्यावसायिक परीक्षाओं के लिए

आवेदन-पत्र

नियमित/भूतपूर्व/ए.टी.के.टी. विद्यार्थियों के लिए जो लागू हो उस पर टिक(✓) करें
परीक्षा का नाम ----- माध्यम हिन्दी अंग्रेजी

परीक्षा का माह तथा वर्ष -----

राष्ट्रि रू. -----

बैंक स्कूल नम्बर -----

दिनांक -----

बैंक शाखा का नाम -----

परीक्षा केन्द्र -----

(विश्वविद्यालय द्वारा भरा जावेगा)

परिपत्र आकार का
छाया चित्र चिपकावें

समस्त छात्र/छात्राओं के
लिये आवश्यक है

(छाया चित्र पर प्रधानाचार्य
/प्रधानाचार्या के हस्ताक्षर
एवं मुद्रा आवश्यक है)

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी का पूरा नाम (हिन्दी में) श्री/श्रीमती/कुमारी (नाम) ----- (उपनाम) -----

अंग्रेजी में (बड़े अक्षरों में) (Name) ----- (Surname) -----

पिता/पति का नाम (हिन्दी में) श्री ----- (अंग्रेजी में) -----

माता का नाम -----

पता -----

यदि स्थायी पता पृथक हो तो यहां लिखें ----- परीक्षार्थी का दूरभाष क्रमांक -----

वर्ग: सामान्य अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग जो लागू हो उस पर टिक (✓) करें

लिंग छात्र छात्रा जो लागू हो उस पर टिक(✓) करें
(कृपया वही प्रश्नपत्र भरे जिसमें सम्मिलित होना है)

परीक्षार्थी की प्रश्नपत्रों का पूरा विवरण परीक्षा योजना के अनुसार लिखना चाहिये
विषय/प्रश्नपत्र

1. -----
2. -----
3. -----
4. -----
5. -----
6. -----
7. -----
8. -----
9. -----
10. -----
11. -----

टीप: (1) परीक्षा आवेदन पत्र परीक्षार्थी द्वारा ही भरा जावे।
(2) परीक्षा आवेदन पत्र के साथ संलग्न कम्प्युटर फार्म अनिवार्यतः भरा जाना है।

पूर्व परीक्षाओं का विवरण—(परीक्षाओं की अंकसूचियों की सत्यापित प्रति अवश्य संलग्न करें।)

परीक्षा का नाम	उत्तीर्ण/अनुत्तीर्ण	अनुक्रमांक	वर्ष	कुल प्राप्तांक	अन्य विवरण
				प्राप्तांक/पूर्णांक	
1. 10 + 2					
2. प्रथम सेमेस्टर					
3. द्वितीय सेमेस्टर					
4. तृतीय सेमेस्टर					
5. चतुर्थ सेमेस्टर					
6. पंचम सेमेस्टर					

घोषणा-पत्र

मैं घोषणा करता/करती हूँ कि आवेदन-पत्र में मेरे द्वारा दिया गया विवरण पूर्णतः सत्य है तथा विश्वविद्यालय के नियम, आदेश एवं निर्णय मुझे सर्वथा मान्य होंगे। मैं घोषणा करता हूँ/करती हूँ कि मैं अन्य किसी भी परीक्षा (सन् 20.....) में सम्मिलित नहीं हो रहा/रही हूँ।

मैंने अपना आवेदन पत्र..... (प्रतिहस्ताक्षर-अधिकारी) की सेवा में

(संस्था का नाम जहाँ से अप्रेषित किया जा रहा है)

दिनांक..... 20..... को प्रस्तुत कर दिया है।

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

प्रमाण - पत्र

(यह प्रमाण-पत्र उसी महाविद्यालय के प्रधानाचार्य / प्रधानाचार्या द्वारा हस्ताक्षरित होना चाहिये जिसमें परीक्षार्थी अध्ययन कर रहा है।)

प्रमाणित करता/करती हूँ कि,

- (1) उपरोक्त परीक्षार्थी देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में नामांकित किया जा चुका है, और यह कि मैं इसके चरित्र के विरुद्ध ऐसा कुछ भी नहीं जानता/जानती जिससे इसे परीक्षा में सम्मिलित होने से रोका जा सके तथा मैं सत्यापन करता/करती हूँ कि आवेदन पत्र पर छात्र/छात्रा द्वारा दिये गये समस्त विवरण सत्य हैं।
- (2) परीक्षार्थी आज दिनांक तक अंकित की गई उपस्थिति में नियमित उपस्थिति से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित उपस्थिति को पूर्ण करने में समर्थ रहेगा।
- (3) परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता के लिये परीक्षार्थी ने सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र द्वारा मुझे समाधान कराया है कि उसने अर्हतादायक परीक्षा विश्वविद्यालय/बोर्ड की पास की है तथा मूल प्रमाण-पत्र एवं अंक सूची की प्रतिलिपियाँ मेरे द्वारा अभिप्रमाणित की गई हैं।

निदेशक/प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या

संस्थान/महाविद्यालय

स्थान

दिनांक 20.....

(संस्थान/महाविद्यालय की मुद्रा अंकित की जाय)

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर/स्ववित्त/व्यावसायिक परीक्षा

परीक्षा केन्द्र के उपयोग हेतु प्रपत्र

नियमित/भूतपूर्व/एटीकेटी विद्यार्थियों के लिए

जो लागू हो उस पर टिक (✓) करें।

परीक्षा का नाम माध्यम हिन्दी अंग्रेजी

परीक्षा का माह तथा वर्ष

परीक्षा केन्द्र

(विश्वविद्यालय द्वारा भरा जावेगा)

पारपत्र आकार का
छाया चित्र चिपकावे

समस्त छात्र/छात्राओं
के लिये आवश्यक है

(छाया चित्र पर प्रधानाचार्य/
प्रधानाचार्या के हस्ताक्षर एवं
मुद्रा आवश्यक है)

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी का पूरा नाम (हिन्दी में) श्री/श्रीमती/कुमारी (नाम) (उपनाम)

अंग्रेजी में (बड़े अक्षरों में) (Name) (Surname)

पिता/पति का नाम (हिन्दी में) श्री (अंग्रेजी में)

माता का नाम

पता

यदि स्थायी पता पृथक हो तो यहाँ लिखें परीक्षार्थी का दूरभाष क्रमांक

वर्ग सामान्य अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग लिंग छात्र छात्रा जो लागू हो उस पर टिक (✓) करें।

(कृपया वही प्रश्नपत्र भरें जिसमें सम्मिलित होगा है)

परीक्षार्थी को प्रश्नपत्रों का पूरा विवरण परीक्षा योजना के अनुसार लिखना चाहिये विषय/प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र होने का दिनांक	परीक्षा भवन में परीक्षार्थी के पूर्ण हस्ताक्षर	उत्तरपुस्तिका क्रमांक	वीक्षक के हस्ताक्षर (परीक्षा भवन में)	वीक्षक का नाम
1.....					
2.....					
3.....					
4.....					
5.....					
6.....					
7.....					
8.....					
9.....					
10.....					
11.....					

(वीक्षक परीक्षार्थी के हस्ताक्षर प्रतिदिन अभिप्रमाणित करेंगे)

अभिप्रमाणित

केन्द्राध्यक्ष

प्रवेश-पत्र तब ही वैध माना जावेगा जबकि विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता रखता हो एवं अन्य सभी शर्तों की पूर्ति करता हो ।

नियमित/भूतपूर्व/एटीकेटी परीक्षार्थियों के लिये

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सेमेस्टर/स्ववित्त/व्यावसायिक परीक्षा

माह एवं वर्ष.....

प्रवेश पत्र

(टिप्पणी : अनुक्रमांक एवं केन्द्र के अतिरिक्त परीक्षार्थी को समस्त पूर्तियाँ करनी हैं ।)

नामांकन क्रमांक..... अनुक्रमांक.....

Enrolment No. Roll No.

(इसे परीक्षार्थी भरेंगे)

पारपत्र आकार का
छाया चित्र चिपकावे

समस्त छात्र/छात्राओं
के लिये आवश्यक है

(छाया चित्र पर प्रधानाचार्य/
प्रधानाचार्या के हस्ताक्षर एवं
मुद्रा आवश्यक है)

परीक्षार्थी का नाम..... पिता/पति का नाम श्री.....

माता का नाम..... को परीक्षा का नाम.....

परीक्षा में सम्मिलित होने हेतु..... केन्द्र में प्रवेश दिया जाता है ।

विश्वविद्यालय भवन,
इन्दौर-452 001

कुल सचिव

नोट : परीक्षा केन्द्र में मोबाईल लाना प्रतिबन्धित है । मोबाईल लेकर आने पर परीक्षा केन्द्राध्यक्ष को इसे रखने की जिम्मेदारी नहीं होगी ।

कृ. पृ. उ.

परीक्षार्थी द्वारा पालन किये जाने हेतु नियम

- 1 परीक्षार्थी को जैसे ही मुख्य उत्तर-पुस्तिका दी जावे, उसके मुख पृष्ठ पर वह अपना अनुक्रमांक, नामांकन क्रमांक, विषय, प्रश्नपत्र इत्यादि जानकारी अविलम्ब लिखें ।
- 2 परीक्षार्थी को उत्तरपुस्तिका के आवरण पृष्ठ के सीधे हाथ के ऊपर वाले कोने में निर्दिष्ट स्थान पर ही अपना अनुक्रमांक तथा नामांकन क्रमांक लिखना चाहिये । अन्य किसी स्थान पर अनुक्रमांक/नामांकन क्रमांक या परीक्षार्थी की पहचान बताने वाला कोई भी चिन्ह नहीं लिखना/बनाना चाहिये ।
- 3 केवल नीली/काली स्याही में ही उत्तर लिखे जाने चाहिये । उत्तर-पुस्तिका में नीली/काली स्याही के अलावा अन्य किसी भी स्याही का उपयोग परीक्षार्थी के द्वारा अपनी पहचान बताये जाने का प्रतीक माना जावेगा । यह निर्देश चित्र द्वारा निरूपण (Diagrammatic Presentation) पर लागू नहीं होगा ।
- 4 परीक्षा का बहिष्कार करने वाले छात्रों के लिये किसी भी परिस्थिति में दुबारा परीक्षा आयोजित नहीं की जावेगी ।
- 5 प्रश्नपत्र के सम्बन्ध में यदि कोई शिकायत हो तो परीक्षा केन्द्र अधीक्षक को परीक्षा के तुरन्त बाद लिखित अभ्यावेदन के रूप में दी जावे ।
- 6 परीक्षार्थी को अपने साथ परीक्षा कक्ष में कोई भी लिखित सामग्री जैसे— पाठ्य पुस्तिका, नोट्स या कागज आदि नहीं लाना चाहिये ।
- 7 परीक्षार्थी द्वारा प्रश्नपत्रों या स्याही सोख पर कुछ भी लिखना मना है ।
- 8 प्रत्येक परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में अपने लिये निर्धारित स्थान ही ग्रहण करेगा ।
- 9 परीक्षा समाप्ति के पहले कोई भी परीक्षार्थी प्रभारी अधीक्षक की अनुमति के बिना अपनी सीट या परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ेगा ।
- 10 परीक्षार्थी परीक्षा केन्द्र अधीक्षक के अनुशासन में रहेंगे और उनके आदेशों का पूर्णतः पालन करेंगे ।
- 11 उत्तर-पुस्तिका के पृष्ठों के दोनों ओर लिखा जाना आवश्यक है ।
- 12 आवेदन-पत्र में भरे गये विषयों/प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त परीक्षार्थी केन्द्र पर विषय/प्रश्नपत्र परिवर्तन नहीं कर सकता है अन्यथा उसका परीक्षा परिणाम रोक लिया जावेगा ।
- 13 परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिकाओं और प्रश्नपत्रों के वितरण के पश्चात् आपस में बातचीत नहीं करेंगे ।
- 14 वीक्षक, निरीक्षक, केन्द्राध्यक्ष या परीक्षा संचालन से सम्बन्धित अन्य किसी व्यक्ति के साथ परीक्षार्थी द्वारा अभद्र व्यवहार नहीं किया जाना चाहिये ।
- 15 पिछले वर्ष की परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों को पुनः पूछा जा सकता है । इस बारे में कोई शिकायत मान्य नहीं होगी ।
- 16 उपयोग में लाई गई पुरक उत्तर-पुस्तिकाओं की संख्या आवश्यक रूप से लिखी जावे ।
- 17 यदि परीक्षार्थी द्वारा कंडिका 2, 3, 6, 7, 8, 9, 10, 13 एवं 14 का पालन नहीं किया गया तो यह अनुचित साधन का प्रकरण माना जावेगा ।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,
इन्दौर-452 001

कुलसचिव

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
सेमेस्टर/स्ववित्त/व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के परीक्षार्थियों के मार्गदर्शन हेतु आवश्यक निर्देश

1. परीक्षा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि के संबंध में प्रेस विज्ञप्ति/सूचना पत्र का अवलोकन करें ।
2. **परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा आवेदन-पत्र की पूर्ति स्वयं की जावे ।** आवेदन-पत्र में दी गई जानकारी अपूर्ण या असत्य होने पर या किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा परीक्षा आवेदन-पत्र भरे जाने की स्थिति में परीक्षा आवेदन-पत्र निरस्त कर दिया जायेगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी परीक्षार्थी की होगी ।
3. परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे आवेदन-पत्र भरने से पूर्व सम्बन्धित परीक्षा के पाठ्यक्रम में दर्शायी गयी परीक्षा योजना आदि का अनुशीलन भली-भाँति कर लें । वांछित जानकारी के अभाव में अथवा नियमों के सम्यक ज्ञान न होने से भी परीक्षा आवेदन-पत्र में त्रुटि या अपूर्णता पायी जाने की स्थिति में आवेदन-पत्र निरस्त किया जा सकेगा जिसके लिये परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा । आवश्यक शुल्क, प्रवचन प्रमाण-पत्र, पात्रता प्रमाण-पत्र, अर्हतादायक अंकसूची की प्रमाणित-प्रति तथा नामांकन के अभाव में भी परीक्षा आवेदन-पत्र निरस्त किया जा सकता है । अर्हतादायक परीक्षा की अंकसूची की प्रमाणित प्रतिलिपि प्रधानाचार्य द्वारा सत्यापित होना चाहिये ।
4. परीक्षार्थियों को संलग्न तालिका में दर्शाये अनुसार परीक्षा शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट बैंक में चालान द्वारा जमा करना चाहिये ।
5. प्रत्येक परीक्षार्थी को परीक्षा आवेदन-पत्र के साथ संलग्न कम्प्यूटर-फार्म भरना अनिवार्य है ।
6. **केवल चालान द्वारा परीक्षा शुल्क जमा करने मात्र से परीक्षार्थी आवेदित परीक्षा हेतु पात्र नहीं हो जाता । परीक्षार्थी को परीक्षा आवेदन पत्र निर्धारित तिथि तक, निर्धारित शुल्क के चालान सहित जमा करना होगा । परीक्षार्थी महाविद्यालय से आवेदन पत्र जमा की रसीद प्राप्त करेगा ।**
7. यदि किसी परीक्षार्थी द्वारा निर्धारित तिथि में परीक्षा शुल्क जमा कर दिया गया है परन्तु परीक्षा आवेदन-पत्र निर्धारित तिथि तक प्रस्तुत नहीं किया गया हो तो ऐसे परीक्षार्थियों को परीक्षा आवेदन-पत्र के साथ उस समय लागू विलम्ब शुल्क अनिवार्य रूप से जमा करना होगा । किन्तु यदि कुलपति महोदय की विशेष अनुमति की अवधि समाप्त हो चुकी है तो ऐसे परीक्षा आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किये जायेंगे ।
8. जो परीक्षार्थी भूतपूर्व परीक्षार्थी की हैसियत से परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं उन्हें उक्त परीक्षा की पुरानी सभी अंकसूचियों की सत्यापित प्रतियां संलग्न करते हुए परीक्षा आवेदन-पत्र में इस हेतु निर्धारित स्थान पर उर्तीर्ण विषयों के नाम एवं अंक भरे जाना अनिवार्य है ।
9. परीक्षार्थी द्वारा मुख्य परीक्षा एवं ए. टी. के. टी. विषय की परीक्षा के लिये अनिवार्यतः पृथक-पृथक आवेदन-पत्र भरे जावें ।
10. प्रत्येक नियमित परीक्षार्थी (प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर) जो परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं वे परीक्षा आवेदन-पत्र पर अपने पूर्ववर्ती सेमेस्टर का अनुक्रमांक लिखें । इसी प्रकार प्रत्येक भूतपूर्व परीक्षार्थी भी अपना पूर्व अनुक्रमांक लिखें । वही उनका वर्तमान परीक्षा का अनुक्रमांक भी होगा ।
11. नियमित परीक्षार्थियों के साथ ही ए. टी. के. टी. की पात्रता रखने वाले परीक्षार्थी भी सैद्धान्तिक परीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व सम्बन्धित संस्थान को अपने असाइनमेंट अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें एवं आन्तरिक मूल्यांकन / सतत मूल्यांकन सम्बन्धी समस्त औपचारिकताएं भी पूर्ण करें ताकि संस्थान उनके आन्तरिक मूल्यांकन / सतत मूल्यांकन के अंक विश्वविद्यालय को समय पर प्रस्तुत कर सके । महाविद्यालय / संस्थान से आन्तरिक मूल्यांकन / सतत मूल्यांकन के अंक परीक्षा प्रारंभ होने के 15 दिवस पूर्व विश्वविद्यालय में पहुँचना अनिवार्य है । छात्र महाविद्यालय / संस्थान से जानकारी प्राप्त कर लें कि उसके आन्तरिक मूल्यांकन / सतत मूल्यांकन के अंक विश्वविद्यालय में भेज दिये गये हैं । आन्तरिक मूल्यांकन / सतत मूल्यांकन के अंक विश्वविद्यालय में प्राप्त नहीं होने की स्थिति में परीक्षा परिणाम तैयार करते समय अनुपस्थित दर्शाया जावेगा एवं निर्धारित तिथि के पश्चात् महाविद्यालय / संस्थान द्वारा भेजे गये अंक मान्य नहीं किये जावेंगे ।
12. जिन नियमों अथवा स्थितियों का इन निर्देशों में उल्लेख नहीं है उनके सम्बन्ध में विश्वविद्यालय अधिनियम तथा उसके अन्तर्गत निर्मित परिनियम एवं अध्यादेश के सम्बन्धित प्रावधान लागू होंगे ।
13. परीक्षार्थियों को परीक्षा आवेदन-पत्र एवं संलग्न कम्प्यूटर-फार्म में नाम, पिता का नाम इत्यादि की जानकारी अर्हतादायी परीक्षा की अंकसूची के अनुसार ही भरना अनिवार्य है ।